Gmail: delhitimesnews@gmail.com | दिल्ली टाइम्स न्यूज का प्रकाशन | RNI.No. 6609/1997

Delhi Times News मीडिया MEDIA www.delhitimesnews.com

लोकप्रिय

दिल्ली टाइम्स

जनता की निर्भीक आवाज

www.delhitimesnews.com — समर्पण समाज को

वर्ष : 30 —— अंक : 17 | नई दिल्ली, 27 अप्रैल से 3 मई 2026 | मूल्य: 2 रुपए | पृष्ठ: 04 | प्रधान संपादक : डॉ जसबीर आर्य | प्रभारी संपादक: अजीत स्वामी | हेल्प लाइन:9212412283

संक्षिप्त समाचार

गर्मी शुरू, 40 के पार पहुंचेगा पारा

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री कम है। वहीं अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.1 डिग्री ज्यादा है। लेकिन दिल्ली की गर्मी जरूर अब दस्तक दे रही है और इसी हफ्ते में पारा 42 डिग्री तक छुएगा। मौसम विभाग से मिले केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार, पालम में न्यूनतम तापमान सा़ामान्य से एक डिग्री कम 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लोधी रोड में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री कम 17.6 डिग्री सेल्सियस रहा, रिज में न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस रहा, आयानगर में न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अब शुक्रवार, शनिवार तक तापमान 42 डिग्री तक पहुंचने वाला है। समीर ऐप के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 155 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। औसत एक्यूआई भी 167 रहा जो मध्यम श्रेणी में दर्ज हुआ।

एम्स दिल्ली के वैज्ञानिकों ने खोजा ऑस्टियोपोरोसिस का इलाज

नई दिल्ली: एम्स दिल्ली के वैज्ञानिकों ने सूजन से होने वाले हड्डियों के नुकसान और ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार की दिशा में अहम सफलता हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल बायोमेडिसिन एंड फामाकीथेरेपी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार डिऑक्सी कॉलिक एसिड (डीसीए) नामक बाइल एसिड हड्डियों के नुकसान को रोकने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। एम्स के ट्रांसलेशनल इम्यूनोलॉजी, ऑस्टियो इम्यूनोलॉजी एवं इम्यूनो पैथोलॉजी लैब के वैज्ञानिकों द्वारा संपन्न शोध में पाया गया कि शरीर में बढ़ती सूजन और आंतों के माइक्रोबायोटा का असंतुलन हड्डियों को तेजी से कमजोर करता है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। डीसीए, हड्डियों की मिनरल डेंसिटी और संरचना में सुधार करता है, हड्डियों को नुकसान पहुंचाने वाली ऑस्टियोक्लास्ट कोशिकाओं की गतिविधि घटाता है और हड्डी बनाने वाली ऑस्टियोब्लास्ट कोशिकाओं को बढ़ावा देकर संतुलन स्थापित करता है। डीसीए आंतों की दीवार (गट बैरियर) को मजबूत करता है, माइक्रोबायोटा के असंतुलन को ठीक करता है और शरीर में सूजन पैदा करने वाले तत्वों जैसे आईएल-17, टीएनएफ -ए और आईएल -6 को कम करता है, जबकि एंटी-इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन्स को बढ़ाता है। यह प्रभाव गट-बोन कनेक्शन के जरिए टीजीआर5 और एफएक्सआर रिसेप्टर्स को सक्रिय कर हड्डियों को नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह खोज भविष्य में सूजन जनित हड्डी रोगों के इलाज के लिए नई और प्रभावी दवाएं विकसित करने का रास्ता खोल सकती है। इस अध्ययन में सुमेधा यादव, स्वाति राजपूत, चमन सैनी, मेघा शर्मा, प्रद्युम्न के. मिश्रा और रुपेश के. श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही।

दिल्ली मेट्रो ने आयोजित की सुरक्षित लिफ्ट एस्केलेटर उपयोग के प्रति जागरूकता वर्कशॉप

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो एस्केलेटर के सुरक्षित उपयोग पर एक वर्कशॉप का आयोजन कर लिफ्ट और एस्केलेटर के सुरक्षित उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया। वर्कशॉप में वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एक साथ आए, ताकि एस्केलेटर सुरक्षा और जन जागरूकता पर विचार-विमर्श किया जा सके। कार्यक्रम में दिल्ली मेट्रो और अन्य मेट्रो संगठनों के अधिकारियों, तथा ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस वर्कशॉप में लगभग 150 प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, जबकि कंपनियों के तीन प्रतिनिधियों ने जर्मनी, चीन और सिंगापुर से ऑनलाइन जुडकर अपने विचार रखे। वर्कशॉप में एस्केलेटर सुरक्षा और संचालन के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए सात तकनीकी प्रस्तुतियां दी गई।

नाबालिग की अश्लील सामग्री ऑनलाइन डालना गंभीर अपराध

नई दिल्ली: दिल्ली हाईकोर्ट न्यायालय की जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की कोर्ट ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म और बाद में उसकी अश्लील तस्वीरें व वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करने के एक मामले में आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि नाबालिग की अश्लील तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करना बेहद गंभीर अपराध है, जिसका प्रभाव केवल कानूनी सजा तक सीमित नहीं रहता बल्कि पीड़िता के जीवन पर गहरा और स्थायी असर डालता है। इसी आधार पर कोर्ट ने आरोपी को जमानत देने से इनकार किया। अदालत ने कहा, ऐसी हरकतों से पीड़िता की गरिमा, निजता और मानसिक स्थिति पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जो लंबे समय तक बना रहता है।

तैरते सौर ऊर्जा संयंत्रों पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार जलाशयों और नालों पर तैरते सौर ऊर्जा संयंत्रों का उपयोग करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने की संभावनाओं का पता लगा रही है। बवाना में इसके लिए पायलट परियोजना शुरू की गई है। तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र जल की सतह पर होता है, जिसमें सौर पैनल लगे होते हैं, जो सूर्य के प्रकाश से स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पायलट परियोजना के तहत बवाना विद्युत संयंत्र में तैरता सौर संयंत्र दो कृत्रिम तालाबों का उपयोग लगभग 2 मेगावाट बिजली उत्पन्न करने के लिए किया जाएगा। बवाना विद्युत संयंत्र में चार एकड़ में फैले ये तालाब वर्तमान में कूलिंग के लिए आवश्यक जल भंडारण के वास्ते उपयोग किए जाते हैं। अधिकारी ने बताया कि तैरते सौर संयंत्र की स्थापना के लिए निविदा जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल होता है।

प्लास्टिक को ना कहें अभियान का नेतृत्व किया

10,000 परिवारों को मुफ्त सूती थैले वितरित किए

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

विजयवाड़ाः विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर, कारुण्य हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन ने प्लास्टिक को ना कहें शीर्षक से एक व्यापक पर्यावरण जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य सतत जीवनशैली को बढ़ावा देना और समुदाय में प्लास्टिक के उपयोग को कम करना था। इस पहल के तहत, फाउंडेशन ने विजयवाड़ा के 10,000 परिवारों को मुफ्त सूती कपड़े के थैले वितरित किए, ताकि नागरिकों को हानिकारक प्लास्टिक थैलों की जगह पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

कार्यक्रम में बोंडा उमा महेश्वर राव और एन. बालास्वामी सहित कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

विश्व पृथ्वी दिवस

संस्थापक, डॉ. विजयराज जी ने इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण बिशप अजरिया स्कूल के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी थी, जिन्होंने एक जीवंत जागरूकता रैली में भाग लिया। छात्रों ने रचनात्मक नारों और प्रभावशाली उद्धरणों वाले बैनर लेकर प्रमुख क्षेत्रों में मार्च किया और जनता को प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों और कपड़े के थैलों के उपयोग के लाभों के बारे में जागरूक किया।

रैली ने जनता का व्यापक ध्यान आकर्षित किया और कई नागरिकों को प्लास्टिक-मुक्त भविष्य के लिए अपना समर्थन देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयोजकों ने इस तरह की प्रभावशाली पहलों को जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनता से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का आान किया। फाउंडेशन ने कहा, कपड़े के थैलों के उपयोग जैसे छोटे बदलाव भी हमारे ग्रह पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।

नवनिर्मित राव तुलाराम अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग का उद्घाटन

नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में रहे उपस्थित

मनीष कौशिक

नारनौल: हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने आज महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास (नारनौल) में नवनिर्मित राव तुलाराम अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और रेडियोलॉजी विभाग का उद्घाटन किया। नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अस्पताल में ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हरियाणा के हर जिले में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि आमजन को बेहतर उपचार के लिए कहीं दूर न जाना पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। आमजन को बेहतरीन और सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना ही सरकार का मुख्य लक्ष्य है और इसी दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि फिलहाल यहां पर 100 सीटों पर एमबीबीएस के दाखिले हैं। अब प्रयास है कि 150 सीटों पर एमबीबीएस के दाखिले हों।

उन्होंने कहा कि यह तो उनके एक साल के कार्यकाल का छोटा सा ट्रेलर था फिल्म अभी बाकी है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि राव तुलाराम अस्पताल में इन विभागों के विधिवत संचालन से अब स्थानीय स्तर पर ही मरीजों को विश्वस्तरीय रेडियोलॉजी जांच और विशेषज्ञों का परामर्श मिल सकेगा। आने वाले समय में यहां और भी अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

देहरादून से... अब दिल्ली दूर नहीं

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

नई दिल्ली: दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ने वाले दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन पर गांधी स्वराज, योगेंद्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, यमुनापार विकास बोर्ड चेयरमैन अरविंदर सिंह लवली, भाजपा शाहदरा ज़िला अध्यक्ष दीपक गाबा, मयूर विहार जिला अध्यक्ष विजेंदर धामा, जिलाध्यक्ष मास्टर विनोद व ज़िला अध्यक्ष डॉ. यूके चौधरी, भाजपा शाहदरा जिला प्रवक्ता ऐडवोकेट भारत गौड़, विधायक सूर्य प्रकाश

नगर महावीर स्वामी पार्क, लोहे का पुल के निकट समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री मल्होत्रा ने कहा कि परियोजना क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता, समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों को ध्यान में रखते हुए, इस कॉरिडोर को कई विशेषताओं के साथ डिजाइन किया गया है। जिनका उद्देश्य मानव-वन्यजीव संघर्ष में अत्यधिक कमी लाना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से आधुनिक कनेक्टिविटी और विकास को नई रफ्तार मिली है।

कार्यक्रम में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा, कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी, बांसुरी खत्री, डॉ अनिल गोयल, संजय गोयल आदि मौजूद रहे। कॉरिडोर में 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल है, जो एशिया के सबसे लंबे कॉरिडोर में से एक है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास होगा। कॉरिडोर में आठ पशु मार्ग, 200 मीटर लंबे दो हाथी अंडरपास और दात काली मंदिर के पास 370 मीटर लंबी सुरंग भी शामिल है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विकास की नई परिभाषा गढ़ रहा है और दिल्ली भी इस परिवर्तन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे दिल्ली के यातायात ढांचे को सुदृढ़ करते हुए जाम की समस्या से बड़ी राहत प्रदान करेगा।

मजनू का टीला से ओल्ड रेलवे ब्रिज तक 4.72 किमी लंबी बाढ़ सुरक्षा दीवार बनेगी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने यमुना की बाढ़ से बचाने वाली दीवार के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत रिंग रोड के किनारे मजनू का टीला से ओल्ड रेलवे ब्रिज तक लगभग 4.72 किमी लंबी मजबूत सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। इस दीवार को अगले मॉनसून 2027 से पहले तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यह दीवार न केवल यमुना के पानी को रिहायशी इलाकों में घुसने से रोकेगी, बल्कि सिविल लाइंस, कश्मीरी गेट, यमुना बाजार और मजनू के टीला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए अभेद्य सुरक्षा कवच का काम करेगी। नदी का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर नहीं आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान तटबंध भविष्य की चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए अब सरकार स्थायी समाधान की ओर बढ़ रही है। साथ ही, यह दीवार नदी के किनारे होने वाली अवैध वेस्ट डंपिंग और म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट को रोकने में मदद करेगी। फ्लड प्रोटेक्शन वॉल का निर्माण ही समाधानः सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में यमुना ने 208.66 मीटर का अपना सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर छुआ था, जिसने 1978 के रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया।

मीडिया में जनसेवा भी - रोजगार भी

क्या आप एक सफल पत्रकार बनना चाहते है?
क्या आप जनता की आवाज बनना चाहते है?
क्या आप मीडिया में अपना भविष्य बनाना चाहते है?
क्या आप जनता की सेवा/ सहायता / सुरक्षा करना चाहते है?

यदि हाँ, तो DTN मीडिया की प्रैस, टी० वी० एवं साईबर समाचार एजेंसी में है आपके लिये निम्न प्रकार के कुछ सुनहरे अवसर जैसे:-

यदि आप पत्रकारिता सीखना चाहते है?

तो आप DTN की मीडिया एकेडमी में प्रवेश लेकर पत्राचार द्वारा घर बैठे 6 माह का पत्रकारिता प्रशिक्षण कोर्स उतीर्ण करें जिसका शुल्क काफी कम है। कोर्स पूरा करने के बाद आप चाहें तो DTN या अन्य मीडिया में PRESS REPORTER की Job भी कर सकते है जिससे आपको समाज सेवा के साथ -साथ रोजगार भी मिल सकेगा।

यदि आप एक अनुभवी व कुशल पत्रकार है

तो आप DTN मीडिया में निम्न पदों पर कार्य कर सकते है:- जैसे प्रैस रिपोर्टर, फ्रीलांसर-पत्रकार, लेखक, विज्ञापन प्रतिनिधि/प्रबंधक, कैमरा मैन / फोटोग्राफर, ब्यूरो चीफ, राज्य प्रभारी, मीडिया सलाहकार, उपसंपादक, सह सम्पादक या समाचार सम्पादक आदि के रूप मे जुडकर अपना कैरियर बना सकते है।

कृपया अधिक जानकारी के निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करे:-

Delhi Times News PRESS DTN

DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
Office: Plot No.4, chandra Park, (Opp. NSIT) Dwarka Mod Highway, New Delhi -110078
Helplines: 9868422283, 9968004686
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

NGO क्षेत्र में नाम, पावर व रोजगार

C.F.I.B. NATION FORCE
आप हमारे स्वंयसेवक बनकर किसी बेसहारा, दुःखी, रोगी, अन्याय पीड़ित व्यक्ति की मदद या उसे न्याय दिलवाने वाले सामाजिक कार्यो में अपना कैरियर बनाए।
CRIME FREE INDIA BUREAU
The National Anti Crime Force
Website: www.crimefreeindiabureau.com E- mail: cfibforce@gmail.com

क्या आप प्रेस-रिपोर्टर बनना चाहते है?
यदि हाँ ! तो आप प्रतिष्ठित दिल्ली टाइम्स न्युज मीडिया में अपने इलाके के पत्रकार बनकर जनता की आवाज बुलंद करें:-
DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

क्या आप एक WOMEN RIGHT ACTIVIST बनना चाहती है?
यदि हाँ ! आप हमारी महिला समाज सेविका बनकर बिखरी नारी शक्ति को संगठित और सशक्त करने में अपना भविष्य बनाये। अधिक जानकारी हेतू सम्पर्क करें:-
NATIONAL WOMEN FORCE / राष्ट्रीय महिला सेना

पत्रकारों/लेखकों का आहवान
नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) मीडिया व पत्रकारों की सुरक्षा, कल्याण, विकास, उन्नति व सेवा मे समर्पित एक शक्तिशाली राष्ट्रीय संगठन है। अतः आप नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) से स्वयं जुड़े तथा औरो को भी जोड़े साथ ही अपने जिले में नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) की एक शाखा का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा व व्यक्तिव को एक नई पहचान दें।
कृपया मीडिया फोर्स के प्रदेश/जिला/ब्लाक अध्यक्ष बनने हुते शीघ्र सम्पर्क करें:-
NATIONAL MEDIA FORCE
(पत्रकारों की एक राष्ट्रीय सेना)
Website: www.nationalmediaforceindia.com E-mail: mediaforceindia@gmail.com

मेडिकल पेशे मे प्रतिष्ठा और कैरियर दोनों
- क्या आप आयुर्वेद, युनानी, होम्योपैथी या एलोपैथी चिकित्सा के कुशल व अनुभवी अनरजिस्टर्ड प्रेक्टिशनर हैं?
- क्या आप Paramedical कोर्स करना चाहते है? यदि हाँ, तो आप भारत सरकार, WHO व सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित प्राथमिक चिकित्सा में Certified Paramedical Practitioner (CPMP) बनकर अपनी सम्बंधित पैथी में खुलकर चिकित्सा अभ्यास/व्यवसाय करें। अतः अधिक जानकारी हेतु शीध्र सम्पर्क करें।

GLOBAL HEALTH & MEDICAL COUNCIL
वैश्विक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परिषद
(Established Under the Central Law of ITA 1882 Vide Regd. 2570)
To Promote Quality Education, Research & Training in the Field of Health Care, Ayush, Paramedical Alternative Medicines, Traditional Therapies & Modern Medical System for disease free world

कृपया उपरोक्त संगठनों से संबंधी और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करें:
पंजीकृत कार्यालयः प्लाट न० 4, चन्द्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे (NSIT के सामने) नई दिल्ली-110078
प्रशासनिक कार्यालयः- प्लाट न० 3, हरि विहार, (मैट्रो पिलर न० 811 के सामने) द्वारका मैट्रो स्टेशन, नई दिल्ली:110078
हेल्पलाईन: 09868422283, 08368744424, 09212412283
मिलने का समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक/ रविवार अवकाश (कृपया आने से पूर्व सुचित करें)

संपादकीय

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

ईरान में युद्ध ट्रम्प को बना रहा है कमजोर और अधिक क्रोधित

डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ कभी दांव मत लगाइए। कोई भी राजनेता उस व्यक्ति की तरह राजनीतिक गुरुत्वाकर्षण को चुनौती नहीं दे सकता, जिसके समर्थकों ने 6 जनवरी, 2021 को कैपिटोल हिल पर धावा बोल दिया था और फिर भी 2024 में उसे पहले से कहीं अधिक वोटों के साथ दोबारा चुना गया। फिर भी, ईरान के खिलाफ उनके नासमझी भरे और लापरवाह युद्ध से ज्यादा सटीक रूप से रची गई कोई और आपदा उनकी राष्ट्रपति पद की राह को रोकने के लिए नहीं हो सकती। महीनों तक चलने वाला युद्ध उनके कार्यकाल को पूरी तरह से ध्वस्त कर सकता है।

राजनीति में, राष्ट्रपति ने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की असाधारण क्षमता दिखाई है और निश्चित रूप से वह इस बात पर जोर देते हैं कि उन्होंने ईरान में पहले ही विजय प्राप्त कर ली है। फिर भी युद्ध एक सच्चाई बयां करता है। ईरान का शासन किसी भी पारंपरिक अर्थ में जीत नहीं सकता लेकिन बुनियादी ढांचे के व्यापक विनाश और सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी सहित वरिष्ठ नेताओं की हत्याओं के बावजूद, ईरान का शासन फिलहाल कायम है।

दूसरी ओर, अमरीका और इसराईल के पास धीरे-धीरे हवाई हमलों के लिए उपयोगी लक्ष्य कम पड़ जाएंगे, या ईरानी हथियारों का मुकाबला करने के लिए उनके पास अवरोधक बैटरियों की कमी हो जाएगी। इसके विपरीत, ईरान के पास अभी भी पर्याप्त ड्रोन मौजूद हैं। जब तक ईरान जलडमरूमध्य में यातायात प्रतिबंधित करता रहेगा, तेल की कीमतें बढ़ती रहेंगी और विश्व अर्थव्यवस्था को होने वाला नुकसान भी बढ़ता रहेगा।

अब जब अन्य देशों के नेताओं को कठोर व्यवहार की आशंका होने लगी है, तो वे प्रतिरोध करना सीख रहे हैं। जब राष्ट्रपति ने अमरीका के सहयोगियों से मार्ग खोलने में मदद करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि यदि वे इंकार करते हैं तो नाटो का भविष्य 'बहुत बुराइ होगा, तो उन्होंने उनकी बात नहीं मानी। उन्होंने तुरंत अपना रुख बदल दिया और ऐसा दिखावा किया जैसे उन्हें कभी मदद की जरूरत ही नहीं थी।

ट्रम्प की राजनीति जीत से मिलने वाली ताकत पर निर्भर करती है। अगर हालात बिगड़ने लगें, तो क्या ट्रम्प ईरान के निर्यात टर्मिनलों वाले खार्ग द्वीप पर कब्जा करके स्थिति को और बिगाड़ेंगे या फिर वह झुक जाएंगे? इसका जवाब आंशिक रूप से उनकी बची-खुची शक्तियों और पार्टी पर उनकी पकड़ पर निर्भर करता है। अब तक, कई अमरीकी सैन्यकर्मी मारे जा चुके हैं, ईरान के अंदर जमीनी अभियानों में, यूरेनियम की बरामदगी के लिए या खार्ग पर हमले से कई और लोगों की जान जा सकती है।

नवम्बर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन के प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण खोने की संभावना अब बहुत अधिक है। सीनेट में भी उनके हारने की संभावना 10 अंक बढ़कर लगभग 50 प्रतिशत हो गई है। हार जितनी बुरी होगी, राष्ट्रपति उतने ही कमजोर हो जाएंगे और उनका प्रभाव उतना ही कम हो जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प की राजनीति जीत से मिलने वाली ताकत पर निर्भर करती है। अगर वह हारे हुए प्रतीत होते हैं, तो उनसे प्रतिशोध की उम्मीद की जा सकती है। एक कमजोर राष्ट्रपति अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। ट्रम्प को विदेश में कार्रवाई करने की सबसे अधिक स्वतंत्रता है। वह नाटो को छोड़ सकते हैं, यूरोप को दंडित करने के लिए यूक्रेन से संबंध तोड़ सकते हैं। वह लैटिन अमरीका को धमका सकते हैं। अपराध और नशीली दवाओं से लड़ने के नाम पर, वह जापान और दक्षिण कोरिया की रक्षा के लिए धन की मांग कर सकते हैं। वह टैरिफ को लेकर अधिकतमवादी रुख अपनाएंगे। भले ही वह सफल न हों, इससे अमरीका के गठबंधन और कमजोर होंगे, जिससे चीन और रूस को खुशी होगी। लेकिन ट्रम्प घरेलू स्तर पर भी आक्रामक हो सकते हैं। उन्होंने युद्ध की आलोचना करने वाले मीडिया संस्थानों के प्रसारण लाइसेंस रद्द करने के विचार का पहले ही समर्थन कर दिया है।

रचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रही भारत की औषधि रणनीति

वैद्यराज शालिग्राम
विद्यावाचस्पति

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गई है। लंबे समय से जैनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण 'विश्व की फामेर्सी के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधि उद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जैनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके।

केंद्रीय बजट 2026-27 में 10,000 करोड़ रुपए के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं का वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विजन गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मैडटैक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पी.आर.आई.पी.), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनैस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव-औषधि समेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है।

इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन-आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटीबायोटिक, वैक्सीन, एंजाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत में पी.एल.आई. और थोक दवा (बल्क ड्रग) पार्क योजनाओं के सहारे सक्रिय औषधि सामग्री (ए.पी.आई.) और मुख्य आरंभिक सामग्रियों (के.एस.एम.) के स्थानीय उत्पादन में तेजी से प्रगति हुई है। इससे देश में दवाओं की कीमतें घटाने में मदद मिली है, जो विश्व स्तर पर सबसे कम कीमतों में से एक है और इसके कारण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की लागत किफायती बनी रहती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जैनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा-शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपाय जीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे-जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी।

जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में, बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार-संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। सुधार इस बदलाव के केंद्र में हैं। नियामक समन्वय, अनुमोदन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और तेजी से मंजूरी जैसे प्रयास व्यापार करने में आसानी को बढ़ा रहे हैं। गुणवत्ता मानकों और नियामक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने से भारतीय औषधि उत्पादों पर वैश्विक विश्वास की निरंतरता सुनिश्चित होती है। हालांकि, आर. एंड डी. निवेश बढ़ाना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। इसका समाधान करने के लिए, सार्वजनिक-निजी सहयोग को मजबूती देना आवश्यक होगा, ताकि दीर्घकालिक नवाचार को बनाए रखा जा सके। नीतिगत समर्थन, तकनीकी प्रगति और बाजार का आपसी समन्वय औषधि क्षेत्र के लिए विकास का एक अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है। भारत का घरेलू बाजार, जिसका मूल्य पहले से ही 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, निरंतर विस्तार के लिए तैयार है। अगले दशक में, भारत न केवल जैनरिक दवाओं में एक अग्रणी देश के रूप में, बल्कि नवोन्मेषी दवाओं, किण्वन-आधारित उत्पादों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा सेवाओं में भी एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभरने के लिए बेहतर स्थिति में है।

इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन-आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटीबायोटिक, वैक्सीन, एंजाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

नारी वंदन के बहाने राष्ट्रीय एकता पर हमला

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
मोबाइल:9821510040

लीजिए, कई दिन के सस्पैंस के बाद पर्दा उठ ही गया। पिछले कई दिन से हमें बताया जा रहा था कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कुछ क्रांतिकारी कदम उठाया जाने वाला है। शुभ काम में कहीं देरी न हो जाए, इसके लिए 4 राज्यों के चुनाव के बीचों-बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। आलोचकों का मानना था कि दाल में कुछ काला है। मामला 'कहीं पे निगाहें कहीं पे निशानाइ वाला है। और वही निकला। नारी वंदन के मुखौटे के पीछे दरअसल यह संसद का स्वरूप बदलने का खेल है, ताकि भाजपा को अगला चुनाव जीतने में दिक्कत न हो। यह चुनावी लोकतंत्र का देश-काल-पात्र बदलने के एक बड़े खेल का एक हिस्सा है।

आखिर संसद के विशेष सत्र से मात्र 36 घंटे पहले इसमें पेश होने वाले संविधान (131वां संशोधन) विधेयक की प्रति सार्वजनिक हो गई है। सवाल यह है कि अगर यह विधेयक महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कोई क्रांतिकारी कदम उठाने वाला था तो इसे जनता और महिलाओं से इतना छुपा कर रखने की क्या जरूरत थी? जाहिर है कि इस संविधान संशोधन के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है। इसलिए विपक्ष के समर्थन के बिना यह पारित नहीं हो सकता। खुद प्रधानमंत्री ने विपक्ष से इसका समर्थन करने का आग्रह किया था। तो फिर इसकी प्रति विपक्ष के नेताओं को भी समय से क्यों नहीं दी गई? विपक्ष ने बार-बार आग्रह किया कि सरकार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुला कर आम सहमति बनाए। इसे क्यों नहीं माना गया? और ऐसी क्या आफत थी कि संसद का सत्र बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव प्रचार के बीचों-बीच चुनाव से एक सप्ताह पहले बुलाया जाए?

विधेयक की प्रति सार्वजनिक होने के बाद यह राज कुछ हद तक खुल गया है। जैसी कि आशंका थी, यह प्रस्तावित संविधान संशोधन महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के बारे में नहीं, बल्कि संसद का पुनर्गठन करने के बारे में है। महिला आरक्षण के बारे में सिर्फ इतना है कि संविधान के अनुच्छेद 334 (क) में संशोधन कर महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने के लिए नई जनगणना के आंकड़ों का इंतजार करने की जरूरत नहीं रहेगी। इस संशोधन के अनुसार अब 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को आरक्षण दिया जा सकेगा। मगर इसे कोई क्रांतिकारी कदम मानने से पहले याद कीजिए कि महिला आरक्षण में जनगणना और परिसीमन का फच्चर आया कहां से था।

सच यह है कि 2023 में संसद और विधानसभा में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने वाला संशोधन लाते वक्त मोदी सरकार ने बिना वजह यह शर्त डाल दी थी कि यह तभी लागू होगा जब नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर नया परिसीमन होगा। मतलब महिला आरक्षण को 10 साल के लिए टाल दिया था। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने मांग की थी कि इस शर्त को हटाया जाए और महिला आरक्षण को 2024 चुनाव से लागू किया जाए। सरकार ने इस मांग को खारिज कर दिया। अब वही सरकार उसी मांग को 5 साल बाद लागू कर क्रांतिकारी परिवर्तन का श्रेय लेना चाहती है।

संविधान संशोधन का यह विधेयक मुख्यतः लोकसभा और विधानसभाओं के पुनर्गठन के बारे में है। पहली नजर में यह प्रस्ताव लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या की सीमा वर्तमान 547 (वास्तविक संख्या 543 है) से बढ़ाकर 815 करने का है। इस विस्तार के पक्ष में मजबूत तर्क हो सकते हैं, चूंकि लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या बहुत बढ़ गई है। सीटों की संख्या डेढ़ गुना बढ़ाने से हर क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या घटेगी। यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है। लेकिन असली मुद्दा यह नहीं है। इस विधेयक का सबसे बड़ा और खतरनाक बदलाव यह है कि पिछले 50 साल से लोकसभा की सीटों में राज्यों के हिस्से में फेरबदल पर लगी रोक हटा ली जाएगी।

फिलहाल संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रावधान है कि राज्यों को 1971 की जनगणना के अनुपात में सीटें मिलेंगी। इस रोक की मियाद 2026 में खत्म होती है। पिछले कई महीने से प्रधानमंत्री और भाजपा के तमाम नेता बार-बार कह रहे हैं कि लोकसभा की कुल संख्या में बढ़ौतरी होगी, लेकिन राज्यों के अनुपात को जस का तस रखा जाएगा। यानी अगर लोकसभा की कुल संख्या डेढ़ गुना होगी तो उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 140 हो जाएंगी, साथ में केरल की सीटें 20 से बढ़कर 30 हो जाएंगी। गैर-हिंदी भाषी प्रदेश चिंता न करें, ऐसा आश्वासन दिया गया। लेकिन संविधान संशोधन का मसौदा इस वादे की अनदेखी करता है। इस संशोधन में प्रस्ताव है कि अनुच्छेद 55, 81, 82, 170 और 332 में संशोधन कर 1971 की जनगणना वाला प्रावधान हटा दिया जाए। लेकिन वर्तमान अनुपात को बनाए रखने का कोई जिक्र नहीं है। ऐसा होते ही अनुच्छेद 82 के अनुसार जनसंख्या के अनुरूप सीटों का बंटवारा करना अनिवार्य हो जाएगा। अगर नया परिसीमन 2011 के आंकड़ों के अनुसार होता है और लोकसभा की संख्या डेढ़ गुना हो जाती है तो केरल की सीटें 20 से बढ़कर सिर्फ 23 होंगी, जबकि उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 132 हो जाएंगी। आनुपातिक रूप से केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा, बंगाल और पंजाब को घाटा होगा, जबकि ङ्क्षहदी भाषी प्रदेशों को फायदा। इससे

विधेयक की प्रति सार्वजनिक होने के बाद यह राज कुछ हद तक खुल गया है। जैसी कि आशंका थी, यह प्रस्तावित संविधान संशोधन महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के बारे में नहीं, बल्कि संसद का पुनर्गठन करने के बारे में है। महिला आरक्षण के बारे में सिर्फ इतना है कि संविधान के अनुच्छेद 334 (क) में संशोधन कर महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने के लिए नई जनगणना के आंकड़ों का इंतजार करने की जरूरत नहीं रहेगी। इस संशोधन के अनुसार अब 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को आरक्षण दिया जा सकेगा।

सीमांकन संवैधानिक आवश्यकता है, राजनीतिक विचलन नहीं

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

महिला आरक्षण पर सोनिया गांधी के हालिया लेख से उठी बहस भारतीय नीति-निर्माण के एक परिचित पैटर्न को दशार्ती है, जहां लंबे समय से लंबित संरचनात्मक सुधारों पर सवाल उनके सार पर कम और प्रक्रिया पर अधिक उठाए जाते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना का गहराई से अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि इसका अधिकांश हिस्सा तथ्यों की बजाय गलत व्याख्या पर आधारित है।

सीमांकन को महिला आरक्षण से अलग 'वास्तविक मुद्दाइ बताने का प्रयास मूलतः गलत है। सीमांकन कोई राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि एक संवैधानिक आवश्यकता है, जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को वर्तमान जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना है। निर्वाचन क्षेत्रों का समय-समय पर पुनर्निर्धारण लोकतांत्रिक न्याय का अभिन्न हिस्सा है। यह कहना कि महिला आरक्षण को इस प्रक्रिया से जोड़ना अनिश्चितता पैदा करता है, इस संवैधानिक तर्क की अनदेखी है। इसके विपरीत, महिला आरक्षण को सीमांकन के साथ जोड़ना संरचनात्मक संगति सुनिश्चित करता है।

'राजनीतिकरणइ का आरोप भी उतना ही कमजोर है। कांग्रेस पार्टी स्वयं वर्षों तक महिला आरक्षण पर निर्णय लेने में असफल रही और सीमांकन से जुड़े प्रश्नों पर कोई स्पष्टता नहीं ला सकी। ऐसे में अब एक संरचित दृष्टिकोण को 'अनिश्चितइ बताना चिंता से अधिक पश्चाताप जैसा प्रतीत होता है।

मूल रूप से, सीमांकन न्याय का प्रश्न है। इसमें महिला आरक्षण को शामिल करना विकृति नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य के अनुरूप है। चूंकि सीमांकन ऐतिहासिक रूप से जनगणना चक्र से जुड़ा रहा है, इसलिए इस ढांचे में आरक्षण को समाहित करना इसे प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि प्रभावी और स्थायी बनाता है।

जल्दबाजी का मिथक-निर्णायकता बनाम विलंब : महिला आरक्षण कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं, बल्कि दशकों से लंबित सुधार है। कई सरकारों ने इस पर चर्चा की, पर इसे लागू नहीं कर सकीं। आज जो हो रहा है, वह जल्दबाजी नहीं, बल्कि लंबे समय से व्यक्त इच्छाशक्ति को क्रियान्वित करना है। निर्णायक शासन उन लोगों को 'अचानक लग सकता है, जो टालमटोल के आदी रहे हैं, पर इससे प्रक्रिया में कोई कमी सिद्ध नहीं होती।

परामर्श महत्वपूर्ण है, पर अत्यधिक परामर्श ठहराव का बहाना नहीं बन सकता। लोकतंत्र में चर्चा और निर्णय के बीच संतुलन आवश्यक है। एक समय ऐसा आता है जब नेतृत्व को संवाद से आगे बढ़कर क्रियान्वयन करना होता है और यही अभी हो रहा है।

जनगणना में देरी-संदर्भ आवश्यक : जनगणना में देरी को उसके संदर्भ में समझना चाहिए। महामारी के कारण विश्वभर में बड़े प्रशासनिक कार्य प्रभावित हुए। भारत में देरी कोई अपवाद नहीं, बल्कि वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। महत्वपूर्ण यह है कि जनगणना कराने की प्रतिबद्धता कायम है। प्रक्रिया स्थगित हुई है, समाप्त नहीं। जल्दबाजी में की गई जनगणना उसकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकती है। विश्वसनीय डाटा ही वैध परिणामों की आधारशिला है। इस अखंडता को बनाए रखना प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि जिम्मेदार शासन का संकेत है।

संघीय संतुलन की चिंता-समयपूर्व आशंकाएं : यह तर्क कि सीमांकन राज्यों के बीच शक्ति संतुलन को बदल सकता है, इस समय केवल अनुमान है। यह एक ऐसी प्रक्रिया पर काल्पनिक परिणाम आरोपित करता है, जो संवैधानिक सिद्धांतों और संस्थागत सुरक्षा उपायों द्वारा संचालित होती है। सीमांकन कोई मनमाना कार्य नहीं, बल्कि न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का माध्यम है। यह कहना कि इससे कुछ राज्यों को नुकसान होगा, लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने वाली व्यवस्थाओं पर अविश्वास दशार्ता है। ऐसे सुधारों को काल्पनिक आशंकाओं के आधार पर रोका नहीं जा सकता। चिंताओं पर चर्चा हो सकती है, पर वे प्रगति के विरुद्ध वीटो नहीं बन सकतीं।

विमर्श और निर्णय-संसद की भूमिका : अधिक विचार-विमर्श की मांग तभी सार्थक होती, जब उसके लिए मंच उपलब्ध न होता। वास्तव में, सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जो चर्चा और परीक्षण के लिए सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। यदि विपक्ष गंभीर है, तो संसद ही उचित स्थान है। बाहर विरोध और भीतर संकोच, मंशा पर प्रश्न उठाते हैं। विमर्श आवश्यक है, पर निर्णय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र अनंत अनिर्णय पर नहीं चल सकता। अंतहीन बहस के नाम पर निर्णयों का विरोध करना, किसी भी सुधार को साकार होने से रोक सकता है।

वर्तमान बहस केवल प्रक्रिया पर मतभेद नहीं, बल्कि इस प्रश्न पर है कि क्या भारत लंबे समय से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए तैयार है। महिला आरक्षण को सीमांकन से जोड़ना राजनीतिक चाल नहीं, बल्कि संस्थागत समन्वय है। आगे बढ़ना जल्दबाजी नहीं, बल्कि विलंबित संकल्प है।

आलोचना प्रक्रिया की रक्षा से अधिक गति का विरोध प्रतीत होती है। पर इस स्तर के सुधार अनंतकाल तक टाले नहीं जा सकते। उन्हें स्पष्ट उद्देश्य और साहसिक क्रियान्वयन की आवश्यकता होती है।

संपादकीय मंडल

प्रधान सम्पादक	:	डॉ. जसबीर आर्य
प्रबंध सम्पादक	:	वैद्यराज शालिग्राम विद्याचस्पति
समाचार सम्पादक	:	डॉ. फारूक अंसारी
कार्यकारी सम्पादक	:	अजीत स्वामी
अतिथि सम्पादक	:	बाबा जनार्दन दास
सलाहकार सम्पादक	:	डॉ संजय जोशी
संयुक्त सम्पादक	:	विनोद कुमार
सह सम्पादक	:	संत राम कांडा
उप संपादक	:	डा. उदयन आर्य
सोशल मीडिया प्रभारी	:	कुनाल
चीफ फोटोग्राफर	:	प्रदीप गौतम
मुख्य संवाददाता	:	अशोक मल्होत्रा
प्रधान ब्यूरो चीफ	:	अनिल शर्मा
विशेष संवाददाता	:	खालिद (गुड्डू)
कार्यालय प्रभारी	:	चरणजीत
तकनीकी प्रभारी	:	जितेन्द्र
जन संपर्क अधिकारी	:	मोहन दास
विज्ञापन प्रभारी	:	के.वी. शर्मा, जे.पी.पांडे
महिला प्रभारी	:	बीना
कानूनी प्रभारी	:	एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह, (दिल्ली हाईकोर्ट) 9821510040

Central Office:
दिल्ली टाइम्स न्यूज (DTN)
Plot No.4 Chandra Park (Opp.NSUT) Dwarka
Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines .:9212412283, 9650380366, 9868422283
Email:delhitimesnews@gmail.com
Web.www.delhitimesnews.com

दिल्ली टाइम्स न्यूज रिक्तियां

DTN मीडिया समूह को निम्न पदों पर तत्काल आवश्यकता:-

● समाचार संपादक ● कार्यालय प्रबंधक (SEO)
● डिजिटल एडिटर ● वीडियो जर्नलिस्ट
● कंप्यूटर ऑपरेटर ● ग्राफिक डिजाइनर थंबनेल ● न्यूज एंकर ● सोशल मीडिया मैनेजर कम्युनिटी मैनेजर व-Youtuber/कंटेंट क्रिएटर
● स्क्रिप्ट राइटर ● इनफ्लुएंसर,
आकर्षक वेतन, भत्ते, इंसेंटिव और सुविधाएं
इच्छुक प्रार्थी अपना बायोडाटा शीघ्र भेजें

वेबसाइट: www.delhitimesnews.com
Email: delhitimesnews@gmail.com
मोबाइल: 9968004686, 9868422283

भारत के लिए सारे प्रारूप में खेलना वरदान है, चुनौती नहीं : सुंदर

नई दिल्ली: भारत के हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर का मानना है कि क्रिकेट का कैलेंडर अति व्यस्त होने के कारण हर प्रारूप में खेलने वाले खिलाड़ी अब बिरले होते हैं लेकिन इस जमात का हिस्सा बनना खूबसूरत वरदान है, बड़ी चुनौती नहीं। भारत के लिए 2017 में पहली बार खेलने वाले सुंदर को कैरियर में कई बार चोटों का सामना करना पड़ा है। वह हालांकि पिछले 18 महीने से भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं। उन्होंने कहा,"भारतीय क्रिकेट के लिए हर प्रारूप खेलना बड़ा वरदान है। हम सभी को पता है कि भारतीय टीम हमेशा किस तरह का क्रिकेट खेलती है। तीनों प्रारूप में खेलने का सौभाग्य मुझे मिला और आगे भी मैं अपनी ओर से योगदान देकर भारत के लिए अधिक से अधिक मैच जीतना चाहूंगा।"

सुंदर ने टी-20 विश्व कप में कुछ ही मैच खेले लेकिन टैस्ट क्रिकेट में अच्छा योगदान दिया है। आई.पी.एल. में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे सुंदर ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ समय में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है जिससे उन्हें विभिन्न प्रारूपों में नियमित मौके मिलते रहे हैं। उन्होंने कहा,"मुझे बहुत ज्यादा चुनौतियां नहीं दिखती। फिटनेस की बड़ी भूमिका है और आपको समझना होगा कि अलग-अलग हालात में शरीर कैसे काम करता है।" सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन के संन्यास के बाद उन्हें टैस्ट क्रिकेट में अधिक मौके मिलने लगे लेकिन छोटे प्रारूप में उन्हें बल्लेबाजी को निखारना पड़ा है। उन्होंने कहा,"आपको अलग-अलग भूमिकाओं के लिए अलग तैयारी करनी पड़ती है और समझना होता है कि किस तरह के कौशल की जरूरत है और उसके हिसाब से काम करना पड़ता है।"

बोल्डर्स क्लासिक : शुभंकर शर्मा ने 2 शॉट की बनाई बढ़त

हैदराबाद: शुभंकर शर्मा ने लगातार दूसरे दिन 6-अंडर 66 का स्कोर बनाकर हैदराबाद के बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपए इनामी राशि वाले पहले बोल्डर्स क्लासिक के दूसरे राउंड के बाद कुल 12 अंडर 132 के स्कोर के साथ 2 शॉट की बढ़त हासिल की। 29 वर्षीय शुभंकर (66-66), जो डीपी वर्ल्ड पी.जी.टी.आई. पर 6 बार के विजेता हैं, दिसंबर 2021 में जमशेदपुर में टूर चैम्पियनशिप के बाद इस टूर पर अपना पहला टूनामैंट खेल रहे हैं।

लखनऊ के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स को बल्लेबाजों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

बेंगलुरु: मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आर.सी.बी.) अब तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रही लखनऊ सुपर जाइंट्स (एल.एस.जी.) की टीम के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) के मैच में अपने बल्लेबाजों से फिर से धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

आर.सी.बी. अभी 6 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं और 4 अन्य टीमें 4-4 अंकों के साथ उसका पीछा कर रही हैं। बेंगलुरु की टीम शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स से 2 अंक और पंजाब किंग्स से एक अंक पीछे है। लेकिन सच्चाई यह है कि आई.पी.एल. के इस सत्र में आर.सी.बी. के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों के मन में जितना खौफ पैदा किया है, उतना कोई अन्य टीम नहीं कर पाई है।

आर.सी.बी. के बल्लेबाजों ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है और सभी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह उसके शीर्ष 5 बल्लेबाजों के स्ट्राइक रेट में साफ झलकता है।

विराट कोहली (स्ट्राइक रेट 162), फिल साल्ट (178), रजत पाटीदार (214), टिम डेविड (221) और देवदत्त पडिक्कल (201) ने आई.पी.एल. 2026 में सभी टीमों के गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश की है। इन पांचों बल्लेबाजों ने मिलकर 4 मैचों में कुल 52 छक्के जड़े हैं। आई.पी.एल. के इस सत्र में अभी तक आर.सी.बी. ने सर्वाधिक छक्के जड़े हैं और उन्होंने 'रेंज-हिटिंग' को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

इसी का नतीजा है कि आर.सी.बी. में वर्तमान सत्र में अभी तक किसी भी मैच में 200 से कम रन नहीं बनाए हैं जिससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आर.सी.बी. अपने घरेलू मैदान पर अगले 3 मैच में भी परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेगा। वह एल.एस.जी. के बाद दिल्ली कैपिटल्स (18 अप्रैल) और गुजरात टाइटन्स (24 अप्रैल) के खिलाफ यहां मैच खेलेगा। इसके बाद वह अपने अंतिम 2 घरेलू मैच रायपुर में खेलेगा। लेकिन क्या चिन्नास्वामी स्टेडियम में सुपर जाइंट्स के गेंदबाजी आक्रमण से उन्हें किसी तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

रोहित शर्मा का पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना संदिग्ध

मुंबई: मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में रोहित शर्मा की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है जबकि बुधवार को इस सीनियर बल्लेबाज ने यहां हल्का अभ्यास किया। पिछले रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़े स्कोर वाले मैच के दौरान मुंबई इंडियंस की पारी के छठे ओवर में रोहित को अपने पैर की मांसपेशियों में परेशानी महसूस हुई थी जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। जब रोहित 'रिटायर्ड हर्ट' होकर बाहर गए तब वह 13 गेंद पर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। बुधवार को मुंबई इंडियंस के ट्रेनिंग सत्र के दौरान टीम के एक अधिकारी ने कहा, "मैडिकल टीम और कोचिंग स्टाफ उनकी जांच कर रहे हैं और हमें जल्द ही पता चल जाएगा।"

पी.एस.जी. और एटलेटिको मैड्रिड सेमीफाइनल में, बार्सिलोना बाहर

मैड्रिड : बार्सिलोना दूसरे चरण में जीत के बावजूद क्वार्टर फाइनल में एटलेटिको मैड्रिड से कुल स्कोर में 3-2 से हारने के कारण चैंपियंस लीग फुटबाल टूनामैंट के सैमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा। एटलेटिको मैड्रिड ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण का मैच 2-0 से जीता था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। बार्सिलोना ने दूसरे चरण का मैच 2-1 से जीता लेकिन यह आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त नहीं था।

इस बीच मौजूदा चैंपियन पैरिस सेंट जर्मेन (पी.एस.जी.) ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर सैमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से अपने खिताब का बचाव करने की तरफ कदम बढ़ाए। पी.एस.जी. ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मैच की तरह दूसरे चरण के मैच में भी 2-0 से जीत हासिल की।

बार्सिलोना के शुरूआती हमलों के बावजूद एटलेटिको मैड्रिड की टीम ने डटकर मुकाबला किया और लगभग एक दशक में पहली बार चैंपियंस लीग के सैमीफाइनल में प्रवेश किया। उसने इससे पहले 2017 में इस प्रतियोगिता के सैमीफाइनल में जगह बनाई थी।

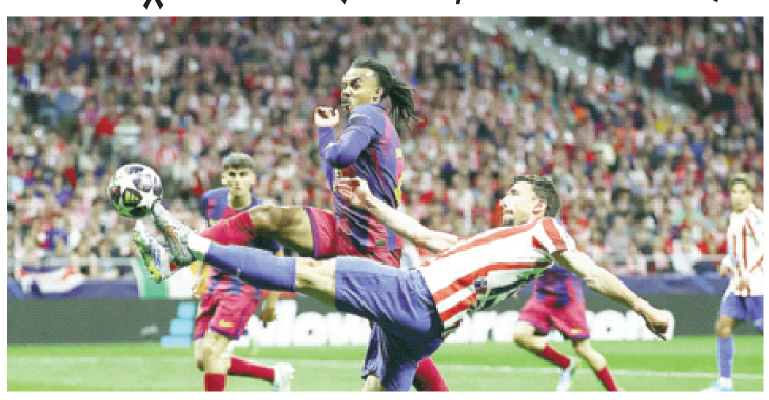

बार्सिलोना ने पहले 24 मिनट में 2 गोल करके स्कोर बराबर कर दिया था। उसकी तरफ से लामिन यामल और फेरान टोरेस ने गोल दागे। एटलेटिको मैड्रिड ने पहले ही हाफ में अडेमोला लुकमैन के गोल से वापसी की।

बार्सिलोना को 79वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि डिफेंडर एरिक गार्सिया को लाल कार्ड दिखाया गया था। उधर लिवरपूल में खेले गए क्वार्टर फाइनल के एक अन्य मैच में पी.एस.जी. ने ओस्मान डेम्बेले के दूसरे हाफ में किए गए 2 गोल की मदद से 4-0 की कुल जीत सुनिश्चित की।

डेम्बेले के पहले गोल ने लिवरपूल की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, क्योंकि प्रीमियर लीग का यह क्लब चैंपियंस लीग में एक और यादगार वापसी की तलाश में था। बैलोन डीओर विजेता डेम्बेले ने गोलकीपर जियोर्गी मामारदाश्विली को छकाते हुए बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया जिससे घरेलू दर्शक सन्न रह गए। उन्होंने दूसरा गोल स्टॉपेज टाइम में किया।

दीप्ति महिला और अभिषेक पुरुष टी-20 के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

लंदन: भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में अपना दबदबा बनाते हुए 9 में से 7 पुरस्कार अपने नाम किए, जिसमें दीप्ति शर्मा को वर्ष की महिला क्रिकेटर और अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी-20 क्रिकेटर चुना गया।

शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को पिछले साल इंगलैंड में हुई टैस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के कारण विजडन के वर्ष के 5 क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेटरों के अलावा जिन अन्य देशों के खिलाड़ियों को पुरस्कार के लिए चुना गया उनमें ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क शामिल हैं, जिन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया। उनके अलावा इंगलैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी 4 भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी शामिल किया गया।

दीप्ति को यह सम्मान पिछले साल आई.सी.सी. महिला वनडे विश्व कप में 22 विकेट लेने के लिए दिया गया। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे।

अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल का होगा डोप टेस्ट नाडा की सूची में कुल 14 क्रिकेटर शामिल

नई दिल्ली: टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल को इस साल की दूसरी तिमाही के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आर.टी.पी.) में शामिल किया गया है।

आर.टी.पी. में शामिल 348 खिलाड़ियों की नवीनतम सूची में अभिषेक और अक्षर ने स्मृति मंधाना और श्रेयस अय्यर की जगह ली है। इन सभी खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी को अपने ठिकाने की जानकारी देनी होगी और प्रतिदिन एक निश्चित समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होगा।

अपने ठिकाने की जानकारी देने में 3 बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है। टैस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, के.एल. राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शैफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं। कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।

नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। लंबी कूद में हिस्सा लेने वाली शैली सिंह और एम. श्रीशंकर तथा गोला फेंक की एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर को भी इस सूची में शामिल किया गया है।

तीरंदाजी से अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी, राकेश कुमार और मशहूर पैरा तीरंदाज शीतल देवी नाडा की इस सूची में शामिल हैं। हॉकी से मनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह के साथ-साथ महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे, सविता पूनिया और नवनीत कौर भी इस सूची का हिस्सा हैं।

लखनऊ को हराकर बेंगलुरु शीर्ष पर

बेंगलुरु: रसिख सलाम और भुवनेश्वर कुमार की तूफानी गेंदबाजी के बाद विराट कोहली की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को 5 विकेट से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। सुपर जाइंट्स के 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोहली की 34 गेंद में 6 चौकों और एक छक्के से 49 रन की पारी की बदौलत 29 गेंद शेष रहते 5 विकेट पर 149 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (10) के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन भी जोड़े। सुपर जाइंट्स की ओर से प्रिंस यादव (32 रन पर 3 विकेट) ने 3 जबकि आवेश खान (23 रन पर 2 विकेट) ने 2 विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को 5 मैच में तीसरी हार से नहीं बचा पाए। इस जीत से बेंगलुरु की टीम 5 मैच में 4 जीत से 8 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है।

राजस्थान रॉयल्स के भी 8 अंक हैं लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है। रसिख (24 रन पर 4 विकेट) और भुवनेश्वर (27 रन पर 3 विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सुपर जाइंट्स की टीम पारी की अंतिम गेंद पर 146 रन पर सिमट गई।

कृणाल पंड्या ने भी 38 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। सुपर जाइंट्स की ओर से सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन का योगदान दिया लेकिन तीनों में से कोई भी अच्छी शुरूआत को बड़ी परी में नहीं बदल पाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे बेंगलुरु को कोहली ने तेजतर्रार शुरूआत दिलाई। टीम ने दूसरे ओवर में ही फिल सॉल्ट (07) का विकेट गंवा दिया जो प्रिंस यादव की गेंद को विकेटों पर खेल गए। कोहली ने आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने तीसरे ओवर में मोहम्मद शमी पर 2 चौके जड़ने के बाद अगले ओवर में प्रिंस पर चार चौके मारे।

कोहली ने दिग्वेश राठी पर छक्के के साथ पांचवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। टीम ने पावर प्ले में एक विकेट पर 60 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल हालांकि 10 रन बनाने के बाद आवेश खान की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी हिम्मत सिंह को कैच दे बैठे। कप्तान रजत पाटीदार ने आते ही शमी पर लगातार दो छक्के मारे। आवेश ने इसके बाद बेंगलुरु को बड़ा झटका दिया जब कोहली उनकी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर निकोलस पूरन को कैच दे बैठे। जितेश शर्मा ने राठी की लगातार गेंदों पर दो छक्के और दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। प्रिंस ने पारी के 13वें ओवर में पाटीदार (13 गेंद में 27 रन, तीन छक्के, एक चौका) और जितेश (नौ गेंद में 23 रन, दो छक्के, दो चौके) को पवेलियन भेजकर बेंगलुरु को दोहरा झटका दिया। पाटीदार ने प्रिंस पर छक्का जड़ने के बाद अगली गेंद को हवा में लहराकर राठी को कैच थमाया जबकि एक गेंद बाद जितेश भी विकेटकीपर मुकुल चौधरी को कैच दे बैठे। टिम डेविड (नाबाद 14) ने आते ही राठी पर छक्का और चौका जड़कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। बेंगलुरु को अंतिम छह ओवर में जीत के लिए सिर्फ 11 रन की दरकार थी और रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 14) ने आवेश पर छक्का और लिंडे पर चौके के साथ टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया।

मार्श और एडेन मारक्रम (12) ने सतर्क शुरूआत की। मार्श ने भुवनेश्वर की गेंद को स्टेडियम के बाहर भेजा। मारक्रम ने भी रसिख का स्वागत छक्के के साथ किया लेकिन फिर इसी तेज गेंदबाज की फुलटॉस को कवर में देवदत्त पडिक्कल के हाथों में खेल गए।

बार्सिलोना ओपन : विटरनेने को हराकर अल्काराज ने की विजयी शुरूआत

बार्सिलोना: स्पेन के दिग्गज टैनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने घरेलू क्ले टूनामैंट बार्सिलोना ओपन 2026 में ओटो विटरनेस के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत की है। पुरुषों की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने मंगलवार को फिनलैंड के ओटो विटरनेन के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 6-4, 6-2 की शानदार जीत के साथ, 12 महीने बाद स्पेन की धरती पर वापसी की। उन्होंने पहले सैट के आखिर में कलाई की चोट से उबरते हुए, अपने पहले पेशेवर टैनिस मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 130वें नंबर के खिलाड़ी को आसानी से हरा दिया। विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज का अगला मुकाबला चेकिया के टोमास माचाक से होगा, जिन्होंने कैटलन की राजधानी में सेबेस्टियन बाएज को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर पीछे से वापसी की। अल्काराज अगर अपना तीसरा बार्सिलोना खिताब जीत लेते हैं, तो वे विश्व रैंकिंग में पहले नंबर का अपना स्थान वापस हासिल कर सकते हैं।

धोनी से बातचीत के बाद नूर अहमद ने किया मैच विजेता प्रदर्शन

चेन्नई: महेंद्र सिंह धोनी भले ही चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) के वर्तमान सत्र में अभी तक नहीं खेल पाए हैं लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स (सी.एस.के.) के प्रदर्शन में उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है जिसकी एक बानगी स्पिनर नूर अहमद के कोलकाता नाइट राइडर्स (के.के.आर.) के खिलाफ मैच विजेता प्रदर्शन में देखने को मिली। अफगानिस्तान के बाएं हाथ की कलाई के स्पिनर नूर इस मैच से पहले तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और उन्होंने 4 मैचों में केवल एक विकेट लिया था। लेकिन नैट पर अभ्यास के दौरान धोनी से लंबी बातचीत के बाद उनके खेल में बदलाव देखने को मिला। उन्होंने के.के.आर. के खिलाफ 4 ओवरों में 21 रन देकर 3 विकेट लिए।

उन्होंने बीच के ओवरों में अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह और कैमरन ग्रीन के विकेट लेकर सी.एस.के. की 32 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। पिच से गेंदबाजों को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी, लेकिन नूर बल्लेबाजों पर हावी होने में कामयाब रहे।

सी.एस.के. के सहायक कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की मैच से पहले धोनी के साथ हुई बातचीत के बारे में बात की।

धोनी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। श्रीराम ने कहा, "विकेट से थोड़ी मदद मिल रही थी। आज उसकी गेंद की गति हवा में थोड़ी धीमी थी। गेंद पर साइड स्पिन ज्यादा थी और ड्रॉप भी ज्यादा था। इस पर वह काम कर रहा है। धोनी ने अभ्यास सत्र के दौरान उनसे काफी देर तक बात की और उन्हें लेग अधिक ब्रेक करने के लिए प्रेरित किया। मुझे लगता है कि आज उससे मदद मिली और इसके परिणाम सबके सामने हैं।"

श्रीराम ने वैस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन और नूर के संयोजन पर भी बात की। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वे एक-दूसरे के पूरक हैं। वे दोनों आपस में बहुत अच्छे से संवाद भी करते हैं। उनके बीच आपस में अच्छी समझ है। आज तो अकील ने ही नूर को सही लेंथ बताई। एक बार नूर को जब सही लेंथ मिल गई, तो उन्हें खेलना लगभग असंभव हो गया।"

बल्लेबाज के तौर पर रहाणे की जगह समीक्षा के दायरे में कप्तानी के अधिक विकल्प नहीं

नई दिल्ली: अजिंक्य रहाणे के लिए हालात काफी अच्छे नहीं चल रहे और उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है जिसे संभवतः कोई खिलाड़ी सुनना नहीं चाहता।

ऐसे कई मौके आए हैं जब टीमों की आईपीएल में शुरूआत बेहद खराब रही है लेकिन कोई भी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स जितनी बिखरी हुई और कोई भी कप्तान इतना बेखबर पहले कभी नहीं दिखा। इसके अलावा बल्लेबाजी का अंदाज भी आई.पी.एल. की शुरूआत के समय जितना ही पुराना है।अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसे युवा खिलाड़ियों ने टी-20 में बल्लेबाजी का अंदाज पूरी तरह से बदल दिया है और अब वैभव सूर्यवंशी ने तो इसे एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंचा दिया है। आयुष म्हात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों को भी नहीं भूलना चाहिए। 37 साल की उम्र में रहाणे के लिए अब इस बदलते खेल के साथ कदम मिलाना या अपनी बल्लेबाजी के तरीके को बदलना नामुमकिन सा है क्योंकि उनकी बल्लेबाजी का तरीका पिछले 20 वर्षों में बनी उनकी 'मसल मेमोरी' (शारीरिक आदत) पर आधारित है। अब इस बात पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं कि रहाणे इस टीम के कप्तान कैसे बने रह सकते हैं जबकि एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी जगह पक्की नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

430 पुलिसकर्मियों की दिल्ली, सोनीपत और बहादुरगढ़ में संयुक्त कार्रवाई, कई गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली को सुरक्षित रखने के लिए नॉर्दन रेंज की तीन जिला पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में दर्जनों बदमाशों के ठिकानों पर छापेमारी कर-के आई गैंग के गुर्गो को गिरफ्तार कर-के छह संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इन सभी से भारी मात्रा में हथियार, वाहन व फोन बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों से स्पेशल सेल समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे भी इस तरह के ऑपरेशन होते रहेगें, जिससे बदमाशों में पुलिस की दहशत नजर आए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय में बवाना आदि इलाके में गोली मारकर हत्या करने और उनके पीछे किसी सक्रिय गैंग के होने की बात पता चला थी। बदमाशों के बारे में यह भी पता चला था कि गैंग दिल्ली समेत एनसीआर में भी अपने ठिकाने बनाकर मौका देखकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। नॉर्दन रेंज की तीनों जिला पुलिस की 430 पुलिसकर्मियों की 24 टीमें बनाई गई। जिन्होंने गुर्गो के ठिकानो के बारे में पता किया। पुख्ता जानकारी इक्ट्ठा करने के बाद पिछले 24 घंटे में पुलिस टीमों ने एक साथ उनके दिल्ली,सोनीपत और बहादुरगढ़ के ठिकानों पर रेड की।

जिसमें आठ बदमाशों को गिरफ्तार करके छह को हिरासत में लिया गया। इनके कब्जे से दस पिस्टल, 52 कारतूस,13 वाहन,दो चाकू और 12 मोबाइल फोन जब्त किये। पकड़े गए बदमाशों में टिल्लू,गोगी,चीता,राजेश बवानिया, अमित मान और भाऊ गैंग के हैं।

माचिस देने से इनकार पर युवक की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली: उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसने युवकों को सिगरेट पीने के लिए माचिस देने से इंकार कर दिया था। बस यही इंकार उसकी जिंदगी को लील गया। चारों महज माचिस न देने पर इस कदर हैवानियत पर उतर आए कि उन्होंने 29 बार चाकू से वार कर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। जाफराबाद इलाके में हुई इस वारदात में पुलिस ने एक नाबालिग समेत 4 आरोपियों को पकड़ लिया है।

डीसीपी नॉर्थ ईस्ट आशीष मिश्रा के मुताबिक मृतक जनता कॉलोनी निवासी अकील अहमद है, जो गांधी नगर इलाके में कपड़ा सिलाई का काम करते थे। गत 23 मार्च को वह रोज की तरह काम पर जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में चार युवक मिले जो शराब के नशे में थे चारों ने उन्हें रोक लिया। उनको सिगरेट पीनी थी और उन्होंने अकील से माचिस मांगी, लेकिन अकील ने माचिस देने से इनकार कर दिया।

युवकों ने गाली-गलौज शुरू की और देखते ही देखते गुस्से और नशे में बेकाबू होकर उन्होंने चाकू निकाल लिए और अकील पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि अकील के शरीर पर चाकू के 29 गहरे घाव थे। इन जख्मों से मौके पर ही उसकी हालत नाजुक हो गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी मौके से फरार हो गए और अकील खून से लथपथ हालत में सडक किनारे पड़े रहे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वेलकम थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। थानाध्यक्ष रुपेश खत्री के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें कुछ संदिग्ध नजर आए। उनकी शिनाख्त के बाद जनता कॉलोनी में दबिश दी गई, लेकिन आरोपी पहले ही फरार हो चुके थे। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस का सहारा लिया और लोकेशन ट्रैक करते हुए उन्हें जनता कॉलोनी इलाके से दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इमरान उर्फ चिकना, फैजान उर्फ काला, साहिल उर्फ जाकिर और एक 17 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। और वारदात से जुड़े हर पहलू की जांच जारी है।

प्लॉट में बनी झुग्गियों में लगी आग बच्ची और माता-पिता की मौत

नई दिल्ली: बुध विहार स्थित मांगे राम पार्क इलाके में एक प्लॉट में बनी पांच से छह झुग्गियों में आग लग गई। हादसे में दो साल की बच्ची और उसके माता-पिता के चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात 12:54 पर बुध विहार पुलिस को आग लगने की पीसीआर कॉल मिली थी। दमकलकर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने आधा दर्जन गाड़ियों की मदद से आग पर कुछ ही मिनट में काबू कर लिया था। दमकल अधिकारियों ने बताया कि करीब ढाई सौ गज के प्लॉट में पांच झुग्गी थी। जिसमें अलग-अलग परिवार रहता था। सभी कबाड़ बिनने का काम करते थे। प्लॉट में प्लास्टिक आदि भी भारी मात्रा में रखा हुआ था। आग कहां से शुरू हुई थी। किसी को नहीं पता चला था। सर्च ऑपरेशन में एक कोने वाली जली झुग्गी से एक दो साल की बच्ची महिला और पुरुष का शव पूरी तरह से जला हुआ शव जले हुए कबाड़ में से मिला। जिसको बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया गया था। तीनों शव पूरी तरह से जल चुके थे। जिनकी पहचान मुसीबुर,पत्नी मुरार और दो साल की बेटी मोई माला के रूप में हुई। जिनके बारे में बताया गया कि वे पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और कुछ साल से ही यहां पर रह रहे थे। बाकी झुग्गी में रहने वाले या तो समय रहते बाहर निकल गए थे या फिर परिवार अपने मूलत घर गए हुए थे।

प्रेमी की होने वाली दुल्हन पर तेजाब से हमला, महिला पकड़ी

नई दिल्ली: उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में अपने प्रेमी की होने वाली दुल्हन पर तेजाब से हमला करने के आरोप में 26 वर्षीय महिला को पकड़ा गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद गोकुलपुरी थाने की एक टीम इंदिरा विहार इलाके में स्थित घटनास्थल पर पहुंची, जहां पता चला कि पीड़िता को उसके परिवार के सदस्य पहले ही गुरु तेग बहादुर (जी.टी.बी.) अस्पताल ले जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि पीड़िता की शादी एक व्यक्ति के साथ तय हुई थी और निकट भविष्य में विवाह होने वाला था।

युवक ने फांसी लगाकर जान दी

नई दिल्ली: कालकाजी इलाके में युवती के साथ गेस्ट हाउस में ठहरे एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान जावेद (28) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवती और युवक ने नशा किया था। इस दौरान हुए झगड़े में युवती के बेहोश हो जाने पर उसे मरा हुआ समझकर खौफ के चलते युवक ने फांसी लगा ली। युवती के रोने और चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर गेस्ट हाउस कर्मचारियों को घटना का पता चला। पुलिस के अनुसार बुधवार को जावेद एक लड़की के साथ कालकाजी स्थित गेस्ट हाउस में ठहरने आया था। बताया जा रहा है कि कमरे में दोनों ने कथित तौर पर नशा किया था। जिसके बाद किसी बात को लेकर उनके बीच तीखी बहस और झगड़ा हो गया।

कपुराने मोबाइल फोन को नया और ब्रांडेड बताकर बेचने वाले पकड़े

नई दिल्ली: दिल्ली में फर्जी मोबाइल फोन के रैकेट का क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा किया है। पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने दो और आरोपियों को दबोचा। यह गिरोह नकली पैकेजिंग, आईएमईआई स्टिकर और चार्जर के जरिए पुराने मोबाइल फोन को नया और ब्रांडेड बताकर बाजार में खपा रहा था। डीसीपी संजीव कुमार यादव ने बताया कि एफआईआर के बाद पहले रूप किशोर और पप्पू गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि फर्जी मोबाइल की पैकेजिंग मायापुरी इलाके से सप्लाई की जा रही थी। इसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लाजवंती गार्डन निवासी 54 वर्षीय राजेश शर्मा को गिरफ्तार किया।

स्कूटी और कार सवार को जंगल में खींच कर लूटा

नई दिल्ली : सिग्नेचर ब्रिज के पास स्थित खजूरी चौक के बियाबान इलाके में बदमाशों ने महज 10 मिनट के भीतर स्कूटी व कार सवार को लूट लिया। चार बदमाशों ने पहले स्कूटी सवार और फिर कार सवार को निशाना बनाया।

बदमाश दोनों को जबरन खींचकर जंगल की में ले गए और चाकू के बल पर डरा धमका कर उनसे कैश और मोबाइल लूट लिए गए। बदमाशों ने पीड़ितों से फोन-पे और पेटीएम के पासवर्ड भी ले लिए वारदात के बाद दोनों पीड़ित किसी तरह मौके से निकलकर सिग्नेचर ब्रिज पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और दबिश दी जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, मंगोलपुरी निवासी 28 वर्षीय इस्माइल अली स्कूटी से जा रहे थे, तभी बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। उन्हें जबरन झाड़ियों में ले जाकर करीब 40 हजार रुपए कैश और मोबाइल लूट लिया गया। साथ ही फोन-पे का पासवर्ड लेकर रकम ट्रांसफर करने का प्रयास किया। इसके कुछ ही मिनट बाद उत्तम नगर निवासी अजय पाठक को कार से जाते वक्त निशाना बनाया गया।

चाकू दिखाकर उनसे करीब 22 हजार रुपए कैश और मोबाइल छीन लिया गया। पुलिस टीम आरोपियों की शिनाख्त में जुटी है।

एविएशन कंपनी डायरेक्टर समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली: वसंत एनक्लेव में सेना के ब्रिगेडियर और उनके आईआईटी पास आउट बेटे के साथ मारपीट मामले में पुलिस ने एक एविएशन कंपनी के डायरेक्टर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों ब्रिगेडियर के घर के पास मर्सिडीज कार में बैठकर शराब पी रहे थे। टोके जाने पर उन्होंने अपने 7-8 साथियों को बुलाकर पीसीआर कर्मियों की मौजूदगी में ब्रिगेडियर व उनके बेटे से मारपीट की थी। घटना के समय मौजूद ब्रिगेडियर की पत्नी के साथ भी आरोपियों ने अभद्रता की थी। आरोपियों में एविएशन कंपनी डायरेक्टर सतेंद्र उर्फ सोनू (49) और संजय शर्मा (56) शामिल है। पुलिस ने मर्सिडीज कार को भी जब्त किया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

साउथ वेस्ट डीसीपी अमित गोयल के अनुसार दोनों आरोपी महरम नगर के निवासी हैं। सतेंद्र उर्फ सोनू चौधरी एविएशन प्रा. लि.का डायरेक्टर है। यह कंपनी चार्टर्ड फ्लाइट, कार्गो सेवाएं और एयरक्राफ्ट से जुड़े कारोबार में सक्रिय है। वहीं, संजय शर्मा महरम नगर में ही ह्यपंडित जी ढाबाह्व चलाता है। पूछताछ में पता चला के दोनों वसंत एन्क्लेव इलाके में शनिवार रात करीब दस बजे मर्सिडीज कार में बैठकर शराब पी रहे थे।

उसी दौरान खाना खाकर परिवार के साथ टहलने निकले ब्रिगेडियर पीएस अरोड़ा ने उनको टोक दिया था। जिसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने आरोपियों की मर्सिडीज कार जब्त कर ली है। दोनों से पूछताछ कर वारदात में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

किशोरी को पहले ले गया मुरथल फिर होटल में ले जाकर किया दुष्कर्म

नई दिल्ली: दोस्त से मिलने निकली एक किशोरी को एक युवक ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। आरोपी पीड़िता को पहले मुरथल ले गया। वहां से वापसी के दौरान आरोपी ने एक होटल में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। मामला थाना रंजीत नगर इलाके का है जहां आरोपी किशोरी को जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास छोड़कर फरार हो गया। जांच में जब किशोरी के साथ दुष्कर्म का पता चला तो टीम ने दुष्कर्म और पॉक्सो की धारा जोड़कर आरोपी को धर दबोचा

गिरफ्तार आरोपी मोहन जायसवाल है। आरोपी बिहार भागने का प्रयास कर रहा था। आरोपी केएन काटजू मार्ग इलाके में दुष्कर्म के मामले में 10 साल से फरार था।

मध्य जिला डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि शिकायत के बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच में आरोपी की बुलेट बाइक का नंबर पुलिस को मिला। उसके आधार पर पुलिस बाइक मालिक के पास पहुंची तो उसने बताया कि बाइक उसने दोस्त मोहन जायसवाल को दी थी।

बाइक मालिक से मिली जानकारी के आधार पर टीम समयपुर बादली पहुंची तो आरोपी फरार हो गया। एक टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी रही। इस बीच 10 अप्रैल को उसे आईएसबीटी से गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच हुई तो पता चला कि उसके खिलाफ पहले से आठ मामले दर्ज हैं साल 2016 में आरोपी ने इसी तरह एक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। अदालत ने उसे भगोड़ा भी करार दिया हुआ था, 4 अप्रैल को किशोरी के परिजनों ने रंजीत नगर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने परिजनों के बयान पर अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस बीच अगले दिन 5 अप्रैल को किशोरी जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास से बरामद हो गई।

2008 बैच के इंस्पेक्टरों को बनाया जाएगा जल्द ही एसएचओ

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली की कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिसिंग सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए दिल्ली पुलिस में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिलेंगा। पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा की अगुवाई में नई कार्यप्रणाली लागू करने की दिशा में काम तेज कर दिया गया है। इसके तहत 2008 बैच के प्रमोटी इंस्पेक्टरों को फील्ड में लीडरशिप देने की तैयारी है, जिससे ग्राउंड लेवल पर पुलिसिंग मजबूत हो सके।

दरअसल, हाल ही में कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई हाई-लेवल मीटिंग में क्राइम कंट्रोल, पुलिस पर लगने वाले करप्शन के आरोप और सिस्टम को ज्यादा ट्रांसपेरेंट बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें सामने आया कि कई प्रमोटी इंस्पेक्टर अनुभव होने के बावजूद फील्ड लीडरशिप से वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया गया कि 2008 बैच के इंस्पेक्टरों को थाना स्तर पर जिम्मेदारी दी जाए। इस निर्णय के तहत 2008 बैच के इंस्पेक्टरों के इंटरव्यू शुरू कर दिए गए हैं। यह प्रक्रिया एचआरडी यूनिट के तहत गठित स्पेशल कमेटी द्वारा की जा रही है, जिसकी अगुवाई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रोबिन हिबु कर रहे हैं। इंटरव्यू में अधिकारियों की कार्यशैली, सर्विस रिकॉर्ड, डिसीजन मेकिंग और पब्लिक कनेक्ट जैसे पहलुओं का मूल्यांकन किया जा रहा है, ताकि योग्य और ईमानदार अधिकारियों का चयन हो सके। इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित इंस्पेक्टरों को जल्द ही विभिन्न जिलों में एसएचओ के रूप में तैनात किया जाएगा। इससे थानों में नई ऊर्जा आएगी और डिसीजन मेकिंग प्रक्रिया तेज होगी। अधिकारियों का मानना है कि सीधे जिम्मेदारी मिलने से जवाबदेही भी बढ़ेगी और कामकाज में सुधार होगा। हालांकि 2008 बैच में 600 से ज्यादा इंस्पेक्टर शामिल हैं। इनमें करीब 500 को रेगुलर बेस पर प्रमोशन मिला है, जबकि 100 से अधिक को फंक्शनल रैंक दी गई है। शुरूआती दौर में रेगुलर प्रमोटेड इंस्पेक्टरों को प्राथमिकता दी जाएगी। नई कार्यप्रणाली में क्राइम कंट्रोल पर भी विशेष फोकस रखा गया है। थाना स्तर पर मजबूत लीडरशिप से इन अपराधों पर तेजी से कार्रवाई संभव होगी।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (नवोदय टाइम्स):दिल्ली क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी और आतंकी मॉड्यूल से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए हर्षपाल सिंह उर्फ रुबल को गिरफ्तार किया है। आरोपी गाजियाबाद के इंद्रापुरम का रहने वाला है और उसके कब्जे से एक अत्याधुनिक हथियार व पांच कारतूस बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया है कि यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है और दिल्ली-एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई करता था।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से भी जुड़ा

आरोपी एक संगठित आपराधिक गिरोह का सक्रिय सदस्य है और उस पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वर्ष 1994 में दिल्ली में जन्मा हर्षपाल सिंह विवाहित है और वर्तमान में कृष्ण नगर क्षेत्र में एक रेस्टोरेंट संचालित करता है। उसके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वह सह-आरोपी निशांत अरोड़ा उर्फ नोनी का करीबी सहयोगी है, जिसे इस मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी निशांत के माध्यम से अवैध हथियारों और गोला-बारूद की खेप प्राप्त करता था और आगे सप्लाई चैन का हिस्सा बना हुआ था। जांच में यह खुलासा हुआ है कि हर्षपाल सिंह उर्फ रुबल कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ है। यह गिरोह देश-विदेश में सक्रिय संगठित अपराध और अवैध गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

व्यापारियों को अंतरराष्ट्रीय नंबरों से धमकी भरे कॉल किए जाते थे

हालांकि गिरोह द्वारा व्यापारियों और संपन्न व्यक्तियों को अंतरराष्ट्रीय नंबरों से धमकी भरे कॉल किए जाते थे। इसके बाद आरोपी खुद को समझौता कराने वाला बताकर पीड़ितों से संपर्क करता था और पैसे के लेन-देन में मध्यस्थता करता था। इस दौरान वह दीपक उर्फ मामा जैसे अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करता था, जो लॉरेंस बिश्नोई का करीबी माना जाता है।

जांच एजेंसियों का मानना है कि इस तरह आरोपी विदेश में बैठे अपराधियों और भारत में मौजूद पीड़ितों के बीच एक अहम कड़ी के रूप में काम कर रहा था। यह पूरी प्रक्रिया संगठित अपराध के बड़े नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें धमकी, डर और वित्तीय लेन-देन शामिल हैं। मोनू सरदार की भूमिका भी सामने आई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने मोनू नाम के एक अन्य व्यक्ति के बारे में भी जानकारी दी है।

विदेशी सट्टेबाजी का संचालन कर रहा था

मोनू सरदार पहले आरोपी का करीबी सहयोगी था और वर्तमान में दुबई में रहकर विदेशी सट्टेबाजी का संचालन कर रहा है। जबकि मोनू सरदार जेल में बंद गैंगस्टर हासिम बाबा का करीबी सहयोगी है और इस गिरोह को आर्थिक मदद के साथ-साथ अवैध हथियार व गोला-बारूद उपलब्ध कराने में भी शामिल रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि उसके संबंध राष्ट्र-विरोधी तत्वों से जुड़े हो सकते हैं और वह कट्टरपंथी विचारधाराओं से प्रभावित है। हर्षपाल सिंह उर्फ रुबल का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसे पहले एक हत्या और एमसीओसीए से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

गुस्से में पति ने पत्नी का गला दबाकर की हत्या

नई दिल्ली: शक और घरेलू विवाद से उपजे गुस्से ने एक और प्रेम विवाह का दर्दनाक अंत कर दिया। वेलकम इलाके में रहने वाले एक शख्स ने अपनी पत्नी पर शक के चलते उसकी गला दबा कर हत्या कर दी आरोपी पति वारदात को अंजाम देने के बाद थाने पहुंचा व पुलिस कर्मियों को कहा साहब मैने अपनी पत्नी को मार दिया है। जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी को साथ लेकर उसके घर पहुंची जहां घर के अंदर एक महिला की लाश बरामद हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात वेलकम इलाके में बुधवार तड़के अंजाम दी गई। आरोपी 28 वर्षीय दीपक जनता मजदूर कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दीपक थाने पहुंचा और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों से कहा कि उसने अपनी पत्नी को मार दिया है। हत्या के कबूलनामे के बाद पुलिस टीम बिना देरी किए मौके पर पहुंची। पुलिस जब घर के अंदर दाखिल हुई तो वहां 23 वर्षीय महिला फर्श पर बेसुध हालत में पड़ी मिली। महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान हिना के रूप में हुई है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मौके से जरूरी सबूत जुटाए। जांच में सामने आया है कि दीपक और हिना ने प्रेम विवाह किया था और दोनों जनता कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक पिछले कुछ समय से दोनों के बीच घरेलू व अन्य बातों को लेकर लगातार कहासुनी हो रही थी। मंगलवार रात भी दोनों के बीच जम कर झगड़ा हुआ, जो इतना बढ़ गया कि गुस्से में दीपक ने हिना का गला दबा दिया।

सीबीएसई ने 10 पन्नों की विजुअल गाइड की जारी

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम अगले दो दिनों में घोषित होने की संभावना है, जिससे देशभर के लाखों छात्रों का इंतजार खत्म होगा।

इससे पहले सीबीएसई ने मंगलवार को विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक विस्तृत 10 पन्नों की विजुअल गाइड जारी की है। इस गाइड में डिजिटल मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट डाउनलोड करने की पूरी प्रक्रिया को आसान भाषा में समझाया गया है। यह सुविधा भारत के साथ-साथ विदेशों में पढ़ रहे छात्रों के लिए भी उपयोगी होगी।सीबीएसई के अनुसार अब डिजिटल दस्तावेजों को उच्च शिक्षा संस्थानों और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं में मान्यता मिल रही है। इससे छात्रों को हार्ड कॉपी के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बोर्ड ने डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर भी अपडेट जारी किया है।

जिन छात्रों की अपार आईडी पहले से लिंक है, वे सीधे इशू डॉक्यूमेंट्स सेक्शन में अपने दस्तावेज देख सकेंगे। इसके लिए आधार नंबर के जरिए लॉगिन करना होगा।जिन छात्रों की अपार आईडी नहीं बनी है, उन्हें पहले डिजिलॉकर पर पंजीकरण करना होगा। रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र आधिकारिक वेबसाइट्स के माध्यम से भी अपना परिणाम आसानी से देख सकेंगे।इस वर्ष लगभग 25 लाख विद्यार्थी सीबीएसई 10वीं परीक्षा में बैठे थे।

डीयू एसी बैठक आज, नए प्रस्तावों पर होगा मंथन

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की एकेडमिक काउंसिल की बैठक आज होने जा रही है, जिसमें कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा होगी। हालांकि बैठक से पहले ही शिक्षक संगठनों ने कुछ प्रस्तावों पर कड़ा विरोध जताया है, जिससे माहौल गरमाने के संकेत मिल रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी एजेंडा में ऑनलाइन पाठ्यक्रम, क्रेडिट सिस्टम और सेमेस्टर अवे कार्यक्रम जैसे विषय शामिल हैं। शिक्षकों का कहना है कि ये बदलाव बिना पर्याप्त संवाद के लागू करने की कोशिश हो रही है। इसी के विरोध में शिक्षक संघ ने कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।शिक्षक संगठनों का तर्क है कि प्रस्तावित सेमेस्टर अवे योजना के तहत छात्रों को अन्य या विदेशी संस्थानों में एक सत्र पढ़ने की अनुमति होगी, लेकिन इससे कई व्यवहारिक समस्याएं सामने आ सकती हैं। क्रेडिट ट्रांसफर, कोर्स की समानता और अंक मान्यता जैसी प्रक्रियाएं जटिल हो सकती हैं।

Jai Santoshi Maa

CIN No.: U45201DL2005PTC133194
GSTIN DELHI: 07AAICS8637E123
GSTIN HARYANA: 06AAICS8637E224 GSTIN MADHYA PRADESH: 23AAICS8637E129
PAN: AAICS8637E
Trademark Registered & Also have ESI & EPF registration

Tel. : 011-25073689, 28084389
Mobile: 9810258654, 9810658654
E-mail: info@swamicontractors.com
ajitswami@swamicontractors.com
swamicontractors@gmail.com

SWAMI CONTRACTORS PVT. LTD. Regd.
An ISO 9001-2015 Certified Company
Licenced by Contractors Council of India
Govt. & Private Contractors, Civil, Electrical, Fire Fighting Works & Constructions
Registered with Central Public Works Department (CPWD), Govt. of India & Class-I Contractor of PWD Haryana
Registered with NCT of Delhi for Electrical Work and NSIC with MSME

कानूनी सहायता केंद्र

आप सभी कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को सूचित किया जाता है कि संगठन के अन्तर्गत एक मजबूत कानूनी सहायता केन्द्र संचालित हो रहा है जिसके प्रभारी एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह जी हैं जो कानूनी मामलों के अनुभवी जानकार होने के साथ-साथ अपनी जस्टिस लीग नाम से अपनी एक लॉ फार्म भी चलाते हैं। हमारे इस केंद्र में सभी प्रकार की दिवानी और फौजदारी केसों के अलावा लेबर, मैरिज, मेडिकल, मीडिया, कॉरपोरेट और पारिवारिक विवादों के साथ NDPS, PMLA, ED, CBI, N.I.A. से संबंधी केसों में भी नि:शुल्क बेहतरीन परामर्श दिया जाता है, साथ ही जनहित से जुड़े मामलों में PIL भी डाली जाती है।

अत: कोई भी व्यक्ति इनकी सेवाएं ले सकता है।

(संपादक)

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
दिल्ली हाई कोर्ट
CEO, Justice League
मोबाइल: 9821510040

स्वात्वाधिकारी दिल्ली टाइम्स न्यूज़ के लिए प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक डॉ. जसवीर आर्य द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस, 656 बल्लीमारान, दिल्ली से मुद्रित तथा लोकप्रिय दिल्ली टाइम्स कार्यालय प्लॉट नं0 4 चंद्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे, नई दिल्ली 110078 से प्रकाशित।
Mobile :9212412283 नोट- किसी भी वाद-विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली रहेगा। इस अंक में प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रधान संपादक डॉ जसवीर आर्य (RNI No 60966/1997) www.delhitimesnews.com